

All questions in Section 1 carry equal marks.

Attempt any three questions in Section 1

Question 9 in Section 2 is compulsory.

Section 1

प्र. 1 व्याख्या करो.

14

1-अज्जीवो पुण णेओ पुग्गलधम्मो अधम्म आयासं।

कालो पुग्गलमुत्तो रूवादिगुणो अमुत्ति सेसा हु।।

2-होति असंखा जीवो धम्माधम्मो अणंत आयासे।

मुत्ते तिविह पदेसा कालस्सेगो ण तेण सो काओ।।

प्र. 2 व्याख्या करो.

14

1-ववहारा सुहदुक्खं पुग्गलकम्मफलं पभुंजेदि।

आदा णिच्छयणयदो चेदणभावं खु आदस्स।।

2-समणा अमणा णेया पंचेदिय णिम्मणा परे सव्वे।

बादसुहुमेदी सव्वे पज्जत इदरा य।।

प्र. 3 व्याख्या करो.

14

1-गेण्हदि णेव ण मुंचदि ण परं परिणमदि केवली भगवं।

पेच्छदि समंतदो सो जाणादि सव्वं णिरवसेसं।।

2-जो हि सुदेण विजाणादि अप्पाप्पं जाणं सहावेण।

तं सुयकेवलिमिसिणो भणंति लोयप्पदीवयरा।।

प्र. 4 व्याख्या करो.

14

1-जो जाणदि सो णाणं ण हवदि णाणेण जाणगो आदा।

णाणं परिणमदि सयं अट्ठा णाणट्ठिया सव्वे।।

2-तम्हा णाणं जीवो णेयं दव्वं तिहा समक्खादं।

दव्वं ति पुणो आदा परं च परिणामसंबद्धं।।

प्र. 5 व्याख्या करो.

14

1-दव्वट्ठियणयपयडी सुद्धा संगहपरूवणाविसओ।

पडिरूवे पुण वयणत्थणिच्छओ तस्स ववहारो।।

2-मूलणिमेण पज्जवणयस्स उज्जुसुयवयणविच्छेदो।

तस्स उ सद्दाईआ साहपसाहा सुहुमभेया।।

प्र. 6 व्याख्या करो.

14

1-तम्हा सव्वे वि णया मिच्छादिट्ठी सपक्खपडिबद्धा।

अण्णोण्णणिस्सिया उण हवंति सम्मतसब्भावा।।

2-जह णेम लक्खणगुणा वेरूलियाई मणी विसंजुत्ता।

रयणावलिववएसं ण लहंति महग्घमुल्ला।।

प्र. 7 जैनदर्शननां सात तत्त्वोनी विस्तृत यथा करो।

14

प्र. 8 अस्तिकाय अटले शुं अथा अस्तिकायोनी विवेचना करो.

14

Section 2

प्र. 9 गमेते चार शब्दो उपर टूंक नोंध लओ.

8

उपयोग, नय, मोक्ष, सम्यक्त्व, चारित्र, श्रुतकेवली, समय, निक्षेप।